एम.पी.ए.

एम.ए. (लोक प्रशासन)
प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य
2018-19

एम.ए. लोक प्रशासन प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई 2018 और जनवरी 2019 सत्रों के लिए

एम.पी.ए.–11 : राज्य, समाज और लोक प्रशासन
एम.पी.ए.–12 : प्रशासनिक सिद्धांत
एम.पी.ए.–13 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन
एम.पी.ए.–14 : मानव संसाधन प्रबंधन

लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य
2018-2019

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2018 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2019**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2019 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2019**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िएः

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.पी.ए.–11 : राज्य, समाज और लोक प्रशासन

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–11
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–11/टी.एम.ए./2018-19
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. राज्य के बदलते स्वरूप के ज़िम्मेदार कारणों का विश्लेषण कीजिए।

2. राज्य पर मार्क्सवादी विचारकों के दृष्टिकोण का विश्लेषण कीजिए।

3. नागरिक–प्रशासन अंतर्संबंधों के निर्माण हेतु संस्थागत रणनीतियों तथा उपकरणों की व्याख्या कीजिए।

4. सामाजिक समता की अवधारणा को परिभाषित कीजिए तथा लोक प्रशासन में जन सहभागिता के बदलते प्रतिमानों की चर्चा कीजिए।

5. भारतीय राज्य के आर्विभाव को स्पष्ट कीजिए तथा भारत में राज्य के समक्ष मुद्दों को उल्लिखित कीजिए।

भाग–II

6. वेबर द्वारा प्रतिपादित नौकरशाही की विभिन्न विशेषताओं को उजागर कीजिए तथा भारत में नौकरशाही की भूमिका का विवरण कीजिए।

7. 'वैश्वीकरण, विशेष रूप से विकासशील देशों में लोक प्रशासन के समक्ष कई चुनौतियों का सामना कर रहा है'। विस्तृत वर्णन कीजिए।

8. समकालीन नौकरशाही प्रतिमानों की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

9. व्यावसायिक प्रयिा पुनः अभियंत्रिकीकरण के संदर्भ में राज्य व बाज़ार के बीच संबंध का परीक्षण कीजिए।

10. विधायिक संस्थानों के विभिन्न सुधार उपायों का मूल्यांकन कीजिए।

एम.पी.ए.–12 : प्रशासनिक सिद्धांत
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–12
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–12/टी.एम.ए./2018-19
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. लोक–प्रशासन एवं निजी प्रशासन के बीच अंतर एवं सामानताओं का विश्लेषण कीजिए।

2. प्रशासनिक सिद्धांत के उद्‌भव एवं विकास का विवरण कीजिए।

3. ऐलटन मेयो के प्रयोग के निष्कर्ष की व्याख्या कीजिए।

4. संगठनात्मक संरचना का विवरण कीजिए।

5. फ्रेडेरिक हर्ज़बर्ग के प्रमुख कार्यों पर एक टिप्पणी लिखिए।

भाग–II

6. 'डग्लस मैक्ग्रेगर के विचार सिद्धांत–एक्स (Theory X) और सिद्धांत–वाई (Theory Y) के अंतर्गत अंतःस्थापित है'। विस्तृत वर्णन कीजिए।

7. एक परिबद्ध प्रणाली का विवरण कीजिए एवं उसके प्रमुख प्रतिमानों की व्याख्या कीजिए।

8. संगठनात्मक संस्कृति क्या हैं? उसके प्रकारों तथा घटकों का विश्लेषण कीजिए।

9. प्रथम मिनोब्रुक सम्मेलन के परिणामों की चर्चा कीजिए।

10. समीक्षात्मक सिद्धांत की उत्पत्ति एवं विशेषताओं की व्याख्या कीजिए तथा लोक प्रशासन में उसकी प्रासंगिकता को उजागर कीजिए।

एम.पी.ए.–13 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–13
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–13/टी.एम.ए./2018-19
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. भारत में सार्वजनिक प्रणाली के संवैधानिक परिवेश का विश्लेषण कीजिए।

2. 'ऐसे विभिन्न सामाजिक कारक हैं जो सार्वजनिक प्रणाली के संगठन एवं कार्यकारी परिवेश को प्रभावित करते हैं' परीक्षण कीजिए।

3. शासन के विभिन्न प्रतिमानों पर एक टिप्पणी लिखिए।

4. शासन में न्यायपालिका की भूमिका का विवरण कीजिए।

5. पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के सिद्धांतों एवं तकनीकों की चर्चा कीजिए।

भाग–II

6. प्रबंधन सूचना प्रणाली के विकास एवं उत्पत्ति को उजागर कीजिए तथा उसकी संरचना की व्याख्या कीजिए।

7. सार्वजनिक प्रणाली की दक्षता एवं उत्पादकता के सुधार की तकनीकों का विवरण कीजिए।

8. सार्वजनिक प्रणाली की अनुक्रियाशीलता को सुनिश्चित करने के विभिन्न तंत्रों की चर्चा कीजिए।

9. परिवर्तन प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण प्रतिमानों की व्याख्या कीजिए।

10. महिला सशक्तीकरण के मुद्दों एवं रणनीतियों पर एक टिप्पणी लिखिये।

एम.पी.ए.–14 : मानव संसाधन प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–14
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–14/टी.एम.ए./2018-19
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. सामाजिक मानव संसाधन प्रबंधन (SHRM) को परिभाषित कीजिए तथा उसके उपागमों पर प्रकाश डालिए।

2. मानव शक्ति नियोजन की प्रक्रिया और पहलुओं का विवरण कीजिए।

3. प्रदर्शन मूल्यांकन के मुख्य उद्देश्यों की चर्चा कीजिए।

4. कार्य मूल्यांकन पर एक टिप्पणी लिखिये।

5. पूर्व विन्यास को परिभाषित कीजिये एवं उसके मार्ग–दर्शी सिद्धांतों तथा प्रमुख मुद्दों का विश्लेषण कीजिए।

भाग–II

6. प्रबंधन विकास से आप क्या समझते हैं? प्रबंधन विकास के उपागमों की चर्चा कीजिए।

7. क्षमता निर्माण के महत्त्वपूर्ण चरणों की व्याख्या कीजिए तथा उसके उद्देश्यों को उजागर कीजिए।

8. पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन को परिभाषित कीजिए।

9. सामूहिक वार्ता के उद्देश्यों तथा प्रक्रिया की चर्चा कीजिए।

10. अनुशासन के न्यायिक दृष्टिकोण पर एक टिप्पणी लिखिए।